

॥ श्री दुर्गा - लक्ष्मी - स्तव - स्तोत्र ॥

श्री श्री श्री श्री श्री १०००८ स्वामी शिशू सत्यविदेहानंद सरस्वती विरचित

॥ श्री दुर्गा - लक्ष्मी - स्तव - स्तोत्र ॥

हे माँ दुर्गे आप के चरण कमल हमारे हृदय में रहें,

आप हमारे मानस में नित्य बसो ।

हे माँ दुर्गे

दया करो,

क्षमा करो,

कृपा करो,

ममता करो,

करुणा करो,

रक्षा करो,

छोटी कन्या बनकर हमारे साथ खेला करो ॥

हे शाश्वत् बाला महात्रिपूर सुंदरी दुर्गा

तुम्हारी कृपा सर्वतोपरित है ।

मंत्र - ॐ दुर्गे ह्रीं श्रीं श्रीं श्रीं कमले कमलालए प्रसीद ह्रीं श्रीं श्रीं श्रीं महालक्ष्मै नमोस्तुते

ॐ श्रीं श्रीं श्रीं महालक्ष्मै देवी । स्वामी शिशू विदेहानंदो तारणहार ॥१

श्रीं श्रीं श्रीं योग लक्ष्मी देवी । ॐ दुर्गे लक्ष्मी तारणहार ॥२

श्रीं श्रीं श्रीं भोग लक्ष्मी देवी । ॐ शैलपुत्री देवी तारणहार ॥३

श्रीं श्रीं श्रीं सिद्ध लक्ष्मी देवी । ॐ ब्रह्मचारीणि माता तारणहार ॥४

श्रीं श्रीं श्रीं सौभाग्य लक्ष्मी देवी । ॐ चंद्रघटा माता तारणहार ॥५

श्रीं श्रीं श्रीं कुबेर लक्ष्मी देवी । ॐ कुष्मांडा माता तारणहार ॥६

श्रीं श्रीं श्रीं भाग्य लक्ष्मी देवी । ॐ स्कंद माता देवी तारणहार ॥७

श्रीं श्रीं श्रीं दुर्गा - लक्ष्मी - देवी । ॐ कात्यायणी माता तारणहार ॥८

श्रीं श्रीं श्रीं विद्यालक्ष्मी देवी । ॐ कालरात्री माता तारणहार ॥९

श्रीं श्रीं श्रीं धनलक्ष्मी देवी । ॐ महागौरी माता तारणहार ॥१०

श्रीं श्रीं श्रीं यशलक्ष्मी देवी । ॐ सिद्धीदात्री तारणहार ॥११

श्रीं श्रीं श्रीं दिव्य लक्ष्मी देवी । ॐ नवदुर्गा माता तारणहार ॥१२

ह्रीं श्रीं श्रीं नमो लक्ष्मी देवी । ॐ महालक्ष्मी श्रीं श्रीं तारणहार ॥१३

ह्रीं श्रीं श्रीं ऐं लक्ष्मी देवी । ॐ वैभव लक्ष्मी तारणहार ॥१४

ह्रीं श्रीं श्रीं प्रभु नारायण देवो । ॐ लक्ष्मी-नारायण तारणहार ॥१५

ह्रीं श्रीं श्रीं धन धान्य वृद्धि । ॐ अन्नपूर्णे लक्ष्मी तारणहार ॥१६

हीं श्रीं श्रीं कमले कमलालए । ॐ महालक्ष्मी श्रीं श्रीं तारणहार ॥१७
 हीं श्रीं श्रीं लक्ष्मै - प्रसीद - प्रसीद । ॐ महालक्ष्मै श्रीं श्रीं तारणहार ॥१८
 हीं श्रीं श्रीं लक्ष्मै श्रीं हीं श्रीं । श्रीं दुर्गा महालक्ष्मी तारणहार ॥१९
 हीं श्रीं श्रीं महालक्ष्मै नमः । श्री महालक्ष्मै वरदे तारणहार ॥२०
 हीं श्रीं श्रीं आनंदमयी लक्ष्मी । श्री महालक्ष्मी दुर्गे तारणहार ॥२१
 श्रीं हीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं । ॐ सद्गुरो महालक्ष्मी तारणहार ॥२२
 हीं श्रीं श्रीं विवेक - वैराग्य देहि । श्रीं शुचिता - लक्ष्मी तारणहार ॥२३
 हीं श्रीं श्रीं गृह - शान्ति देहि । श्रीं शान्त - लक्ष्मी तारणहार ॥२४
 हीं श्रीं श्रीं षोडशी लक्ष्मी देवी । श्रीं श्रीविद्या - लक्ष्मी तारणहार ॥२५
 हीं श्रीं श्रीं सर्वत्र - विजय देहि । श्रीं विजया - लक्ष्मी तारणहार ॥२६
 हीं श्रीं श्रीं वाणी शुचिता देहि । श्रीं वदना - लक्ष्मी तारणहार ॥२७
 हीं श्रीं श्रीं सत्य - वचना देवी । श्रीं सत्या - लक्ष्मी तारणहार ॥२८
 हीं श्रीं श्रीं धृति - लक्ष्मी देवी । श्रीं श्रीं पृष्टि - लक्ष्मी तारणहार ॥२९
 हीं श्रीं श्रीं तुष्टि - लक्ष्मी देवी । श्रीं श्रीं मेघा - लक्ष्मी तारणहार ॥३०
 हीं श्रीं श्रीं रसना - लक्ष्मी देवी । श्रीं श्रीं वसना - लक्ष्मी तारणहार ॥३१
 हीं श्रीं श्रीं शक्ति महालक्ष्मी । श्रीं शौर्य - लक्ष्मी तारणहार ॥३२
 हीं श्रीं श्रीं गुरु दुर्गा देवी । श्रीं श्रीं श्रीयै - लक्ष्मी तारणहार ॥३३
 हीं श्रीं श्रीं कमल - वासिन्यै देवी । श्रीं सिंह वाहिन्यै लक्ष्मी तारणहार ॥३४
 हीं श्रीं श्रीं धन संचय देहि । श्रीं धनदा - लक्ष्मी तारणहार ॥३५
 हीं श्रीं श्रीं छिन्नमस्ता देवी । श्रीं दशमहाविद्या लक्ष्मी तारणहार ॥३६
 हीं श्रीं श्रीं द्रव्यार्जन देहि । श्रीं श्रीं द्रव्य - लक्ष्मी तारणहार ॥३७
 हीं श्रीं श्रीं शुभ - बुद्धि - देहि । श्रीं श्रीं बिल्व - लक्ष्मी तारणहार ॥३८
 श्रीं हीं श्रीं यज्ञ - यागो - जपो । श्रीं ध्यान - लक्ष्मी तारणहार ॥३९
 श्रीं हीं श्रीं एकपंचाशत् पिठो । श्रीं श्रीं पिठ - लक्ष्मी तारणहार ॥४०
 हीं श्रीं श्रीं द्रव्य - संकट - हरो । श्रीं श्रीं विघ्न - हर - लक्ष्मी तारणहार ॥४१
 हीं श्रीं ऐं सप्ताशत - मंत्र - पाठो । श्रीं सप्तशक्ति दुर्गा तारणहार ॥४२
 श्रीं हीं श्रीं अपरोक्षानुभूति । श्रीं परोक्षा - लक्ष्मी तारणहार ॥४३
 श्रीं श्रीं श्रीं स्वामी विदेहानंदो । श्रीं हीं दुर्गा भगवति तारणहार ॥४४
 श्रीं श्रीं महालक्ष्मी कृपा - करो । ॐ श्रीं श्रीं ऐं सौः तारणहार ।
 ॐ हीं श्रीं सौः ऐं महालक्ष्मी नमः । ॐ श्रीं हीं श्रीं श्रीं श्रीं तारणहार ।
 ॐ नमः ऐं हीं क्लीं श्रीं लक्ष्मी देवी । ॐ नमः क्लीं क्लीं श्रीं ऐं सौः तारणहार ॥४५